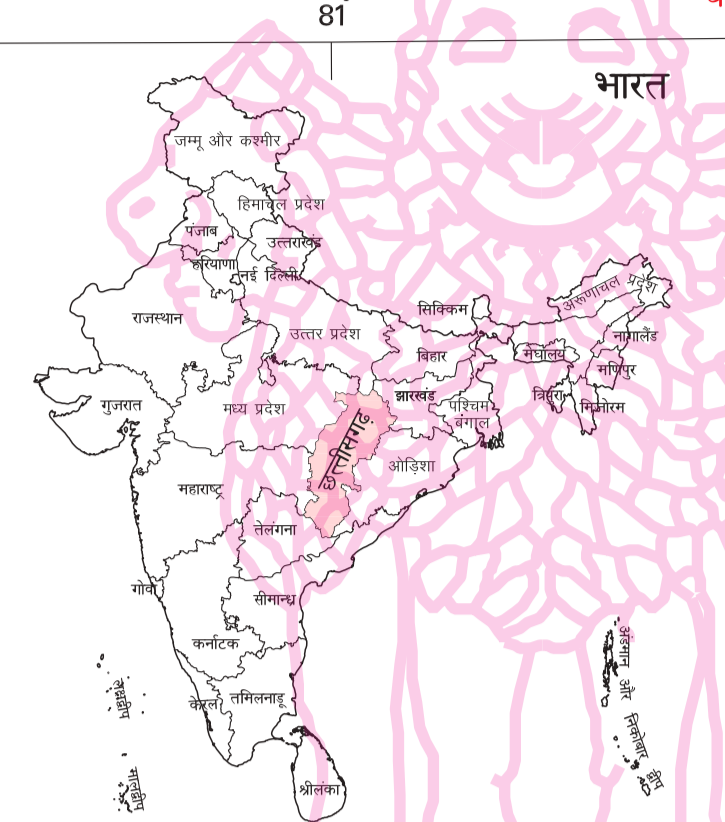
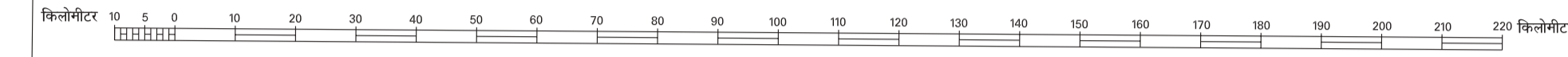


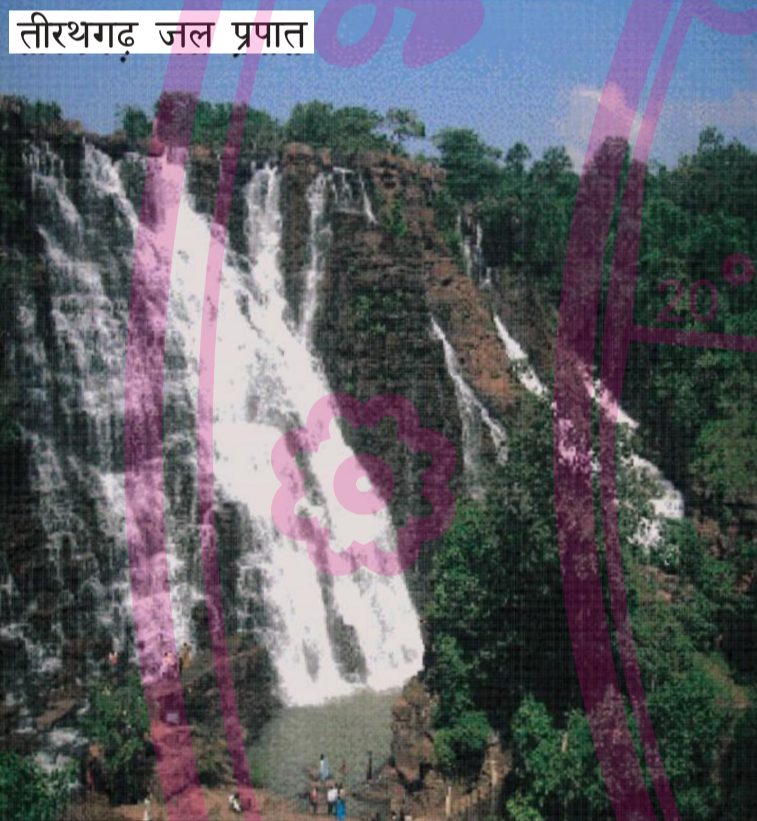
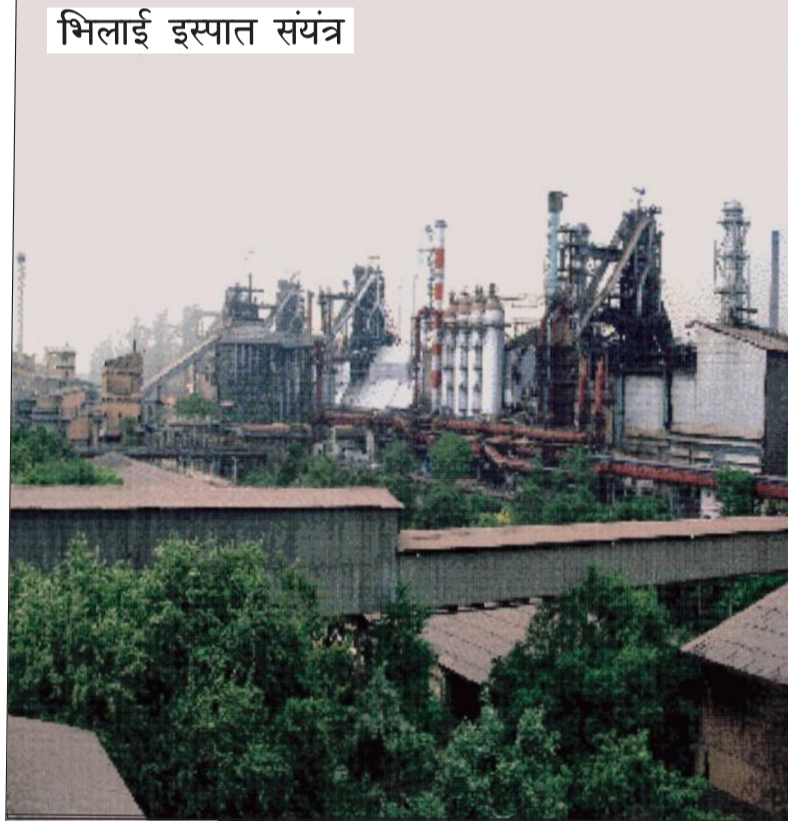
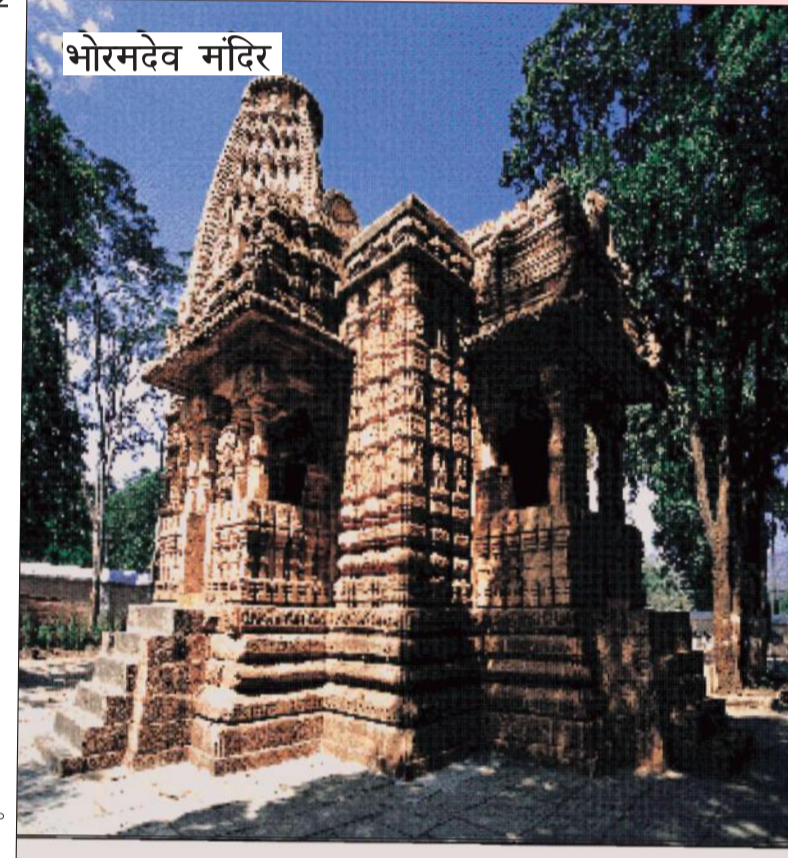
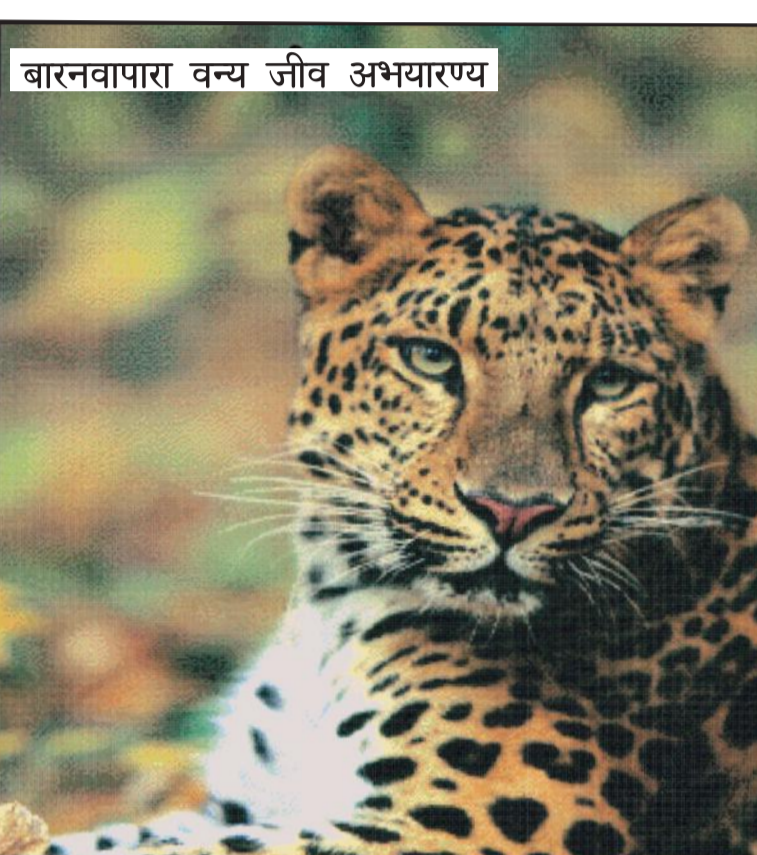


छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

माप 1:1,000,000
1 सेंटीमीटर = 10 किलोमीटर

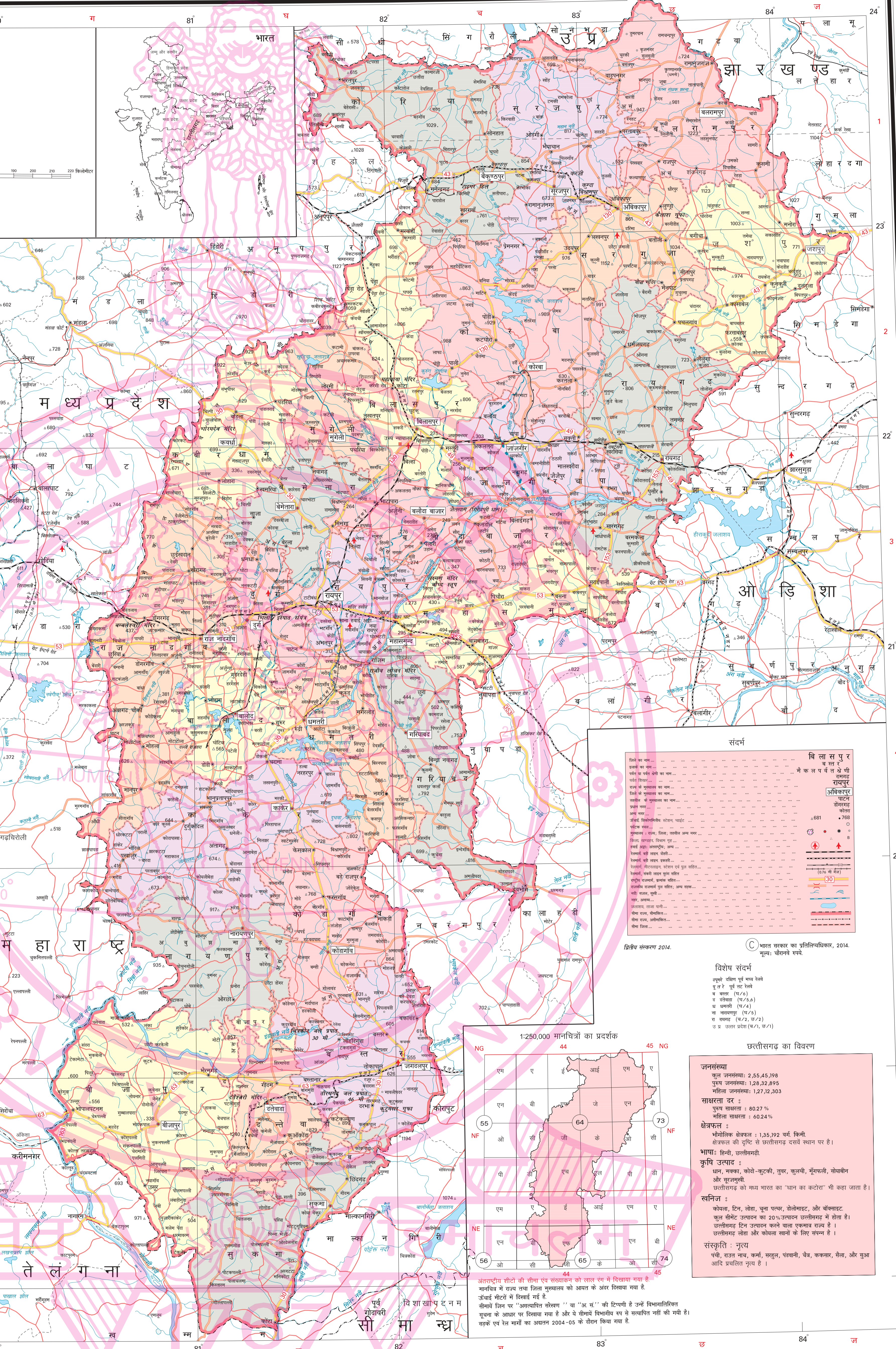
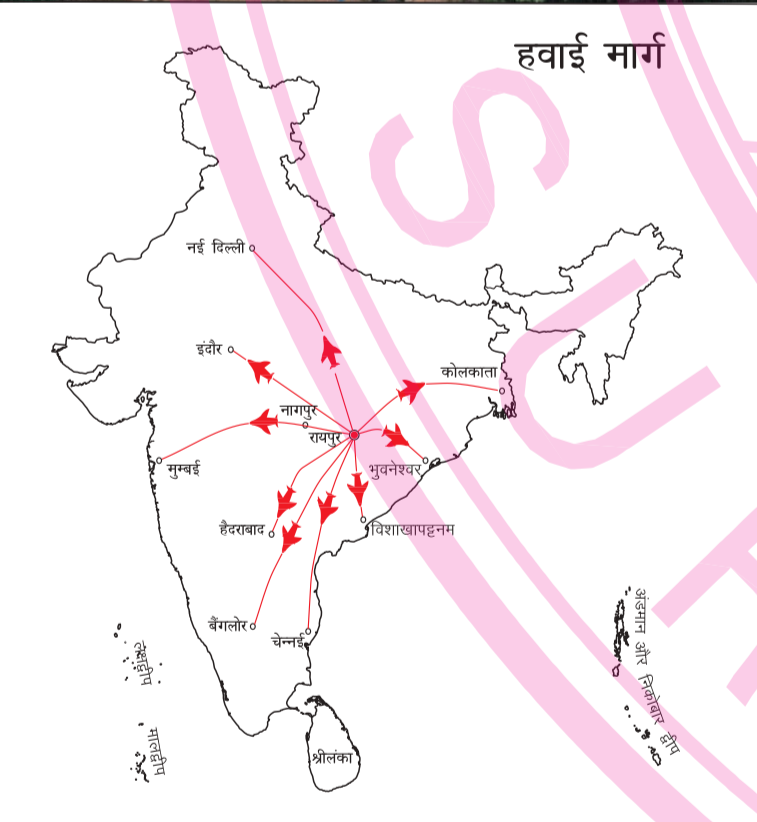


- पर्यटन स्थलों की सूची**
- बम्बलेश्वरी मंदिर 713
 - भोरमदेव मंदिर 712
 - अचानकमार राष्ट्रीय उद्यान 712
 - भिलाई इस्पात संयंत्र 713
 - सिंचिकोट जलाशय 714
 - चित्रकोट जल प्रपात 715
 - दलेश्वरी मंदिर 716
 - कुटुम्भार गुफा 716
 - तीरथगढ़ जल प्रपात 716
 - गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान 717
 - महाभाया मंदिर 717
 - बारनवापारा वन्य जीव अभयारण्य 718
 - जैतखाम (गिरौदपुरी धाम) 718
 - लक्ष्मण मंदिर 719
 - उदन्ती राष्ट्रीय उद्यान 719
 - केलाश गुफा 720
 - बौद्ध मंदिर 720



हवाई मार्ग

अधिकारपुर	0
बेल्गाँव	74
बाँदरा	428
बलिया बाजार	287
बलरामपुर	80
बेमेता	317
बीजापुर	748
बिलासपुर	224
दलेवाड़ा	676
धमरती	415
दुर्ग	370
रायचौंद	429
जमलपुर	632
जानगीर	233
जरापुर	136
कांकेर	477
कांछी	342
कोरगाँव	562
कोखा	174
महासमुद्र	391
मुंगेली	274
नायगढ़	563
रायगढ़	194
रायपुर	337
राज नांदगाँव	397
सुकमा	736
सूरजपुर	38
दुर्ग (किलोमीटर में)	
अधिकारपुर	0
बेल्गाँव	74
बाँदरा	428
बलिया बाजार	287
बलरामपुर	80
बेमेता	317
बीजापुर	748
बिलासपुर	224
दलेवाड़ा	676
धमरती	415
दुर्ग	370
रायचौंद	429
जमलपुर	632
जानगीर	233
जरापुर	136
कांकेर	477
कांछी	342
कोरगाँव	562
कोखा	174
महासमुद्र	391
मुंगेली	274
नायगढ़	563
रायगढ़	194
रायपुर	337
राज नांदगाँव	397
सुकमा	736
सूरजपुर	38



संदर्भ

बिलासपुर
रायपुर
जबलपुर
कोरगाँव
कोरबा
दुर्ग
रायचौंद
जमलपुर
जानगीर
जरापुर
कांकेर
कांछी
कोरगाँव
कोखा
महासमुद्र
मुंगेली
नायगढ़
रायगढ़
रायपुर
राज नांदगाँव
सुकमा
सूरजपुर

विशेष संदर्भ

कुल जनसंख्या: 2,55,45,988
पुरुष जनसंख्या: 1,26,32,895
महिला जनसंख्या: 1,27,32,303
साक्षरता दर: 80.27%
पुरुष साक्षरता: 80.27%
महिला साक्षरता: 60.24%

छत्तीसगढ़ का विवरण

जनसंख्या
कुल जनसंख्या: 2,55,45,988
पुरुष जनसंख्या: 1,26,32,895
महिला जनसंख्या: 1,27,32,303

साक्षरता दर:
पुरुष साक्षरता: 80.27%
महिला साक्षरता: 60.24%

क्षेत्रफल:
भौगोलिक क्षेत्रफल: 1,35,192 वर्ग किमी.
क्षेत्रफल की दृष्टि से छत्तीसगढ़ देश का 20वाँ स्थान पर है।

भाषा: हिन्दी, छत्तीसगढ़ी

कृषि उत्पाद:
धान, मक्का, जौ, ज्वार, राई, जूना, कृष्ण, मूँग, सोयाबीन और मूँगफली

उद्योग:
छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का 'धान का कोटर' भी कहा जाता है।

संस्कृति: मूल रूप से उद्यम, कर्म, सद्गुण, चरमकी, वैद्य, चक्रवर्ती, वैद्य, और कुआँ आदि प्रचलित गुण हैं।

